

वीयू –नव प्रवेशित विद्यार्थियों को कुलगुरु ने दिया सफलता, अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास का संदेश



जबलपुर 28/10/26 नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य नए विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण, मूल्यों तथा उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराना था। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. मंदीप शर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करना उनके जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और लगन से इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में स्थान प्राप्त किया है। ऐसे में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आवश्यक सुविधाएं एवं उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय का दायित्व है, ताकि वे अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें और भविष्य में एक सफल एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

माननीय कुलगुरु ने विश्वविद्यालय के विभिन्न घटक महाविद्यालयों तथा वहां संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को अपने अध्ययन पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। उनकी ऊर्जा, रचनात्मक सोच और नवीन विचार समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेना भी आवश्यक है। इससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा मिलता है।

माननीय कुलगुरु ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC), राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) सहित विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी रुचि एवं प्रतिभा के अनुरूप नए विचारों और नवाचारों के साथ आगे आएँ। विश्वविद्यालय उनके कौशल को निखारने तथा उन्हें व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन में सक्षम बनाने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा।

उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा असुविधा होने पर वे संबंधित समिति से चर्चा करें। विद्यार्थियों की समस्याओं का उचित समाधान करना तथा उन्हें सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।

कुलगुरु ने विद्यार्थियों से महाविद्यालय, छात्रावास एवं विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन, मर्यादा और निर्धारित नियमों का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन एवं जिम्मेदारी का भाव विद्यार्थी जीवन की सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा पीढ़ी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी नई ऊर्जा, नए विचारों और अपार संभावनाओं के साथ आगे बढ़ने वाले युवा हैं। अपने ज्ञान, कौशल और नवाचार के माध्यम से आप समाज, शहर, प्रदेश एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

अंत में कुलगुरु ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आप सभी ने बहुत मेहनत की है। अब यह विश्वविद्यालय का दायित्व है कि आपको ऐसा सकारात्मक, सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करे, जहां आप अपनी प्रतिभा को विकसित कर सकें, अपने सपनों को साकार कर सकें और जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें।

इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. राखी वैश्य, निदेशक शिक्षण डॉ. मधु स्वामी, निदेशक प्रक्षेत्र डॉ. बी. राय, निदेशक पश्रोपाधी डॉ. जी. दास, अधिष्ठाता संकाय से डॉ. एस. घोष, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. आदित्य मिश्रा जबलपुर महू, रीवा, वेटेनरी कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. तोमर, डॉ. बी.पी. शुक्ला, डॉ. ए.पी. सिंह, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. शशिकांत महाजन, एवं सभी महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण एवं प्रथम वर्ष के नवागत छात्र-छात्राएं भारी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डॉ. एस. घोष की विशेष भूमिका रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर